



HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous and NAAC-Reaccredited)
Nallakunta, Hyderabad-44

Department of Hindi

Syllabus
Minutes of BOS Meeting
2017-18

Second Language Hindi
(B.A., B.Com, B.Sc and B.B.A. II Year III & IV Semester)

Modern Language Hindi
B.A. (III & IV Semester)

HINDI MAHAVIDYALAYA
(Autonomous & NAAC - Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad - 44

2017-18

B.A., B.Com, B.B.A & B.Sc II Year

Semester-III

Subject : Second Language Hindi

Syllabus

No. of Classes Per Week-5

No. of Credits : 5

पुस्तक का नाम

पाठ

1. कबीर के दोहे
2. बाल लीला
3. तुलसी के दोहे
4. नवयुवकों से
5. फूल और काँटा
6. भारत
7. जीवन का अधिकार
8. मेरा नया बचपन

गद्य दर्पण

लेखक

कबीरदास

सूरदास

तुलसीदास

मैथिलीशरण गुप्त

अयोध्यासिंह, उपाध्याय 'हरिऔध'

जयशंकर प्रसाद

सुमित्रानंदन पंत

सुभद्रा कुमारी चौहान

हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. आदिकाल परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
2. भक्तिकाल-परिस्थितियाँ
3. रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय
चंदबरदाई-कबीर-भारतेंदु हरिश्चंद्र
तुलसीदास-सूरदास-जयशंकर प्रसाद
सुमित्रानंदन पंत ~~174~~, रामधारी सिंह दिनकर ~~181~~
4. निबंध
5. अनुवाद


Chairperson

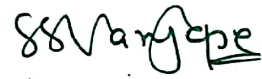
Board of Studies
Dr. Rajani Dhari

Member

Former President (O.U.)
Dr. SHEELA MISRA
Professor & Head
Department of Hindi
Osmania University, Hyderabad-500 007

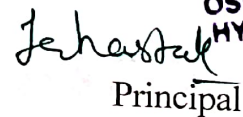
ALUMNI

Lecturer, V.V. College
Dr. Sushama Dwivedi



O.U. Nominee

BOS & Head of Dept.
Prof. Shubhada VANJAPE
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.


Principal

Smt Jyoti Hastak
Hindi Mahavidyalaya
PRINCIPAL
HINDI MAHAVIDYALAYA
Arts, Commerce & Science
(Autonomous)

HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad - 44

2017-18

B.A., B.Com, B.B.A & B.Sc II Year Semester-III

Subject : Second Language Hindi

प्राचीन, आधुनिक काव्य, हिन्दी साहित्य का इतिहास

No. of Credits : 5

No. of Classes Per Week-5

Unit-I काव्य निधि

1. कबीरदास	=	कबीर के चौहे	3
2. भूपालदास	=	बाललीला	3
3. तुलसीदास	=	तुलसीदास के चौहे	3

Unit-II

1. मेघदूत	=	चतुर्वर्ग	3
2. अश्वमेध	=	भूल और काँटा	3
3. जयशंकर प्रसाद	=	भारत	3

Unit-III

1. सुमित्राधर	=	जीवन का अभिन्न	5
2. सुमित्राधर	=	भारत का चित्र	5
			10

Unit-IV हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. आदिमानव	=	परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ	
2. भक्तिमानव	=	परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ	
3. रघुनाथमानव का संक्षिप्त परिचय			
कबीरदास			
तुलसीदास			
भारत के हिन्दी साहित्य			
रघुनाथमानव का संक्षिप्त परिचय			

5

Unit-V निबंध

1. साहित्य और समाज
2. साहित्य और साहित्य
3. साहित्य और साहित्य
4. साहित्य और साहित्य
5. साहित्य और साहित्य
6. साहित्य और साहित्य
7. साहित्य और साहित्य

[Signature]
Chairperson

Member of Studies
Dr. Rajendra Prasad

[Signature]

O.U. Nominee

BOS & Head of Dept

Prof. Shubhashree V. S. SHARMA
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007

[Signature]
Principal

Smt. Jyoti Hassani

PRINCIPAL
HINDI MAHAVIDYALAYA
NALLAKUNTA, HYDERABAD
(Autonomous)

DEPARTMENT OF HISTORY

Lecturer, V.V. College

Dr. Sushama Dwivedi

HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad - 44

2017-18

B.A., B.Com, B.B.A & B.Sc II Year Semester-III
Subject & Paper No : Second Language Hindi-III

Model Question Paper

Maximum Marks : 80

Time : 3 Hours

(खंड-‘क’)

(5X4 =20)

निम्नलिखित में से किन्हीं (पाँच) प्रश्नों के उत्तर दीजिये :-

1. कबीर की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए?
2. सूरदास की प्रमुख रचनाओं का संक्षिप्त वर्णन दीजिए।
3. भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है?
4. हिन्दी साहित्य के इतिहास के कालखंडों की समय सीमा लिखिए।
5. तुलसीदास ने किन क्षेत्रों में समन्वय का प्रयास किया है?
6. सुभद्राकुमारी चौहान बचपन को जीवन का स्वर्णिम काल क्यों कहती हैं?
7. कवि गुप्त जी नवयुवकों को किस प्रकार प्रेरित करते हैं?
8. साहित्य समाज का दर्पण होता है। स्पष्ट कीजिए।

(खंड-‘क’)

(2X6 =12)

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये :-

- (क) गुरु कुम्हार शिष कुम्भ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै, खोट।
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।।
- (ख) मैया कबंहि बढ़ेगी चोटी।
किती बार मोहि दूध पिवत भई, यह अजहुँ है छोटी।
तू जो कहति बल की बेनी, ज्यों है लांबी मोटी।
- (ग) एक भरोसो एक बल, एक आस बिस्वास।
एक राम घन स्याम हित, चातक तुलसीदास।।
- (घ) दुनिया कैसी बावरी, पाथर पूजन जाय।
घर की चाकी कोई न पूजे, जेहि का पीसा खाय।

10. किसी एक कविता का सारांश लिखिए :-

(1X12=12)

(क) सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा रचित 'मेरा नया बचपन' कविता का सारांश लिखिए।

(ख) 'नवयुवकों से' कविता का सारांश लिखिए?

(ग) कवि फूल और कांटा कविता के माध्यम से क्या संदेश देना चाहता है?

11. हिन्दी साहित्य के इतिहास के आदिकाल की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(1X12=12)

अथवा

हिन्दी साहित्य के इतिहास के भक्तिकाल की युगीन परिस्थितियों के बारे में लिखिए।

12. किन्हीं (दो) कवियों पर टिप्पणी लिखिए।

(2X6=12)

(क) चंदबरदाई

(ख) तुलसी

(ग) सुमित्रानंदन पंत

(घ) महादेवी वर्मा

13. किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।

(6X1=6)

(क) जीवन में स्वच्छता का महत्व

(ख) विज्ञान : वरदान है या अभिशाप

(ग) समाज में स्त्री का स्थान

(घ) प्रस्तुत छः वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए:-

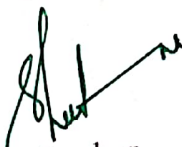
(6X1=6)

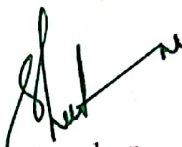
1. Sun rises in the east.
2. The news paper Plays very important role in our daily life.
3. Hindi is our National Language.
4. Our Prime Minister is Narendra Modi.
5. India is a democratic country.
6. Time and tides waits for none.


Chairperson

Board of Studies

Dr. Rajani Dhari


Member


Dr. SHEELA MISHRA
Former President (O.U.)
Professor & Head
Department of Hindi
Osmania University, Hyderabad-500 007

ALUMNI

Lecturer, V.V. College

Dr. Sushama Dwivedi

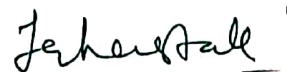


O.U. Nominee

BOS & Head of Dept

Prof. Shubhada Vanjape

SHUBHADA VANJAPE
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.


Principal

Smt Jyoti Hastak

HINDI MAHAVIDYALAYA
Arts, Commerce & Science
(Autonomous)
MAHILAKUNTA, HYD-44

HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad - 44

2017-18

B.A., B.Com, B.B.A & B.Sc II Year

Semester-IV

Subject : Second Language Hindi-IV

Syllabus

No. of Credits : 5

No. of Classes Per Week-5

पुस्तक का नाम

पाठ

1. मीरा के पद
2. रहीम के दोहे
3. बिहारी के दोहे
4. भगवान बुद्ध के प्रति
5. वे मुस्काते फूल नहीं
6. कलम और तलवार
7. तू क्यों बैठ गया है पथ पर ?
8. अनुभव परिपक्व

काव्य निधि

लेखक

मीराबाई

रहीम

बिहारी

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

महादेवी वर्मा

रामधारी सिंह दिनकर

हरिवंशराय बच्चन

अज्ञेय

हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. रीतिकाल (श्रृंगारकाल) परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
2. आधुनिक काल - परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
- (क) भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग,
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद
- (ख) हिन्दी गद्य का विकास, हिन्दी कहानी
हिन्दी उपन्यास, हिन्दी नाटक
3. रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय
मीराबाई, बिहारी, रहीम, महावीर प्रसाद द्विवेदी
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, महादेवी वर्मा
हरिवंशराय बच्चन, अज्ञेय, प्रेमचंद
4. निबंध
5. बोधक गद्यांश

Chairperson

Board of Studies

Dr. Rajani Dhari

Member

Dr. SHEELA MISRA
President
Professor & Head
Department of Hindi
Osmania University, Hyderabad-500 007

ALUMNI

Lecturer, V.V. College

Dr. Sushama Dwivedi

O.U. Nominee

BOS & Head of Dept

Prof. Shubhada Vanjape
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.

Principal

Smt Jyoti Hastak

Principal
Hindi Mahavidyalaya
HINDI MAHAVIDYALAYA
Arts, Commerce & Science
(Autonomous)
NALLAKUNTA

HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad - 44

2017-18

B.A., B.Com, B.B.A & B.Sc II Year Semester-IV

Subject : Second Language Hindi-IV

प्राचीन, आधुनिक काव्य, हिन्दी साहित्य का इतिहास

No. of Credits : 5

No. of Classes Per Week-5

Unit-I काव्य निधि

- | | | | |
|------------|---|----------------|---|
| 1. मीराबाई | - | मीरा के पद | 3 |
| 2. रहीम | - | रहीम के दोहे | 3 |
| 3. बिहारी | - | बिहारी के दोहे | 3 |

Unit-II काव्य निधि

- | | | | |
|--------------------------------|---|----------------------|---|
| 1. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' | - | भगवान बुद्ध के प्रति | 3 |
| 2. महादेवी वर्मा | - | वे मुस्काते फूल नहीं | 3 |
| 3. रामधारी सिंह 'दिनकर' | - | कलम और तलवार | 3 |

Unit-III

- | | | | |
|--------------------|---|------------------------|---|
| 1. हरिवंशराय बच्चन | - | तू क्यों बैठ गया पथ पर | 3 |
| 2. अज्ञेय | - | अनुभव परिपक्व | 3 |

Unit-IV हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. शृंगार काल : नामकरण, परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ
2. आधुनिक काल :
 - (1) भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद
 - (2) हिन्दी गद्य का विकास, हिन्दी कहानी, उपन्यास और नाटक
3. रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय
मीराबाई, बिहारी, रहीम, महावीर प्रसाद द्विवेदी, महादेवी वर्मा, हरिवंशराय बच्चन, अज्ञेय, प्रेमचंद, निराला।

Unit-V निबंध

1. विद्यार्थी और अनुशासन
2. आज की शिक्षा नीति
3. भारत में बेरोजगारी की समस्या
4. पर्यावरण और प्रदूषण
5. भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या
6. भारतीय संस्कृति
7. बोधक गद्यांश संबंधी प्रश्नोत्तर

Dr. SHEELA MISRA
Professor & Head
Department of Hindi
Osmania University, Hyderabad-500 007

Prof. SHUBHADA VANJAPUR
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.

PRINCIPAL
HINDI MAHAVIDYALAYA
Arts, Commerce & Science
(Autonomous)
NALLAKUNTA, HYD-44

HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad - 44

2017-18

B.A., B.Com, B.B.A & B.Sc II Year Semester-IV
Subject & Paper No. : Second Language Hindi-IV

Time : 3 Hours

Model Paper

Maximum Marks : 80

(खंड- 'क')

(5X4 =20)

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये :-

1. रहीम को 'जीवन और जगत' का कवि क्यों कहा जाता है?
2. बिहारी ने दोहे के माध्यम से 'गागर में सागर' भर दिया है सोदाहरण समझाइए?
3. महादेवी वर्मा की कविता का 'वे मुस्काने फूल न थे' मार्मिक चित्रण प्रस्तुत कीजिए?
4. निराला को क्रांति का अग्रदूत क्यों कहा गया है?
5. हालावाद के प्रवर्तक बच्चन जी ने कविता के माध्यम से मनुष्य को क्या प्रेरणा देते हैं?
6. श्रृंगारी कवि के रूप में बिहारी का मूल्यांकन कीजिए?
7. रीतिमुक्त काव्यधारा को समझाते हुए कवियों का परिचय दीजिए।
8. भारतेन्दु युग का संक्षिप्त परिचय दीजिए?

(खंड- 'क')

(2X6 =12)

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये :-

- (क) 'बड़े बड़ाई ना करै, बड़ो न बोलै बोल।
रहिमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो मोल।।'
- (ख) 'जपमाला, छापे तिलक सरै न एकौ कामु।
मन कांचै नाचै वृथा, सांचै रांचै रामु।'
- (ग) 'एक भेद है और, जहाँ निर्भय होते नर-नारी,
कलम उगलती आग, अक्षर बनते चिनगारी'
- (घ) 'अच्छा, माँ, मुझे खाली मिट्टी दे दो,
मैं कुछ नहीं माँगूँगा:
मेले जाने का हठ नहीं ठानूँगा-
जो कहोगी मानूँगा।'

10. किसी एक कविता का सारांश लिखिए :-

(1X12 =12)

- (1) मीरा का समस्त काव्य माधुर्य भाव भक्ति से ओत-प्रोत है, स्पष्ट कीजिए?
- (2) दिनकर जी की कविता 'कलम और तलवार' के महत्व को अपने शब्दों में लिखिए?
- (3) अज्ञेय के अनुसार जीवन के अनुभव मनुष्य को किस प्रकार परिपक्व बनाते हैं 'अनुभव परिपक्व' कविता के माध्यम से स्पष्ट कीजिए?

11. आधुनिक काल की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ?

(1X12 =12)

अथवा

हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास लिखिए ?

12. किन्हीं (दो) कवियों पर टिप्पणी लिखिए:-

(2X6 =12)

(क) मीराबाई का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ख) निराला का जीवन परिचय बताइए।

(ग) रामधारी सिंह दिनकर का कृतित्व के बारे में लिखिए।

(घ) हरिवंश राय बच्चन की साहित्यिक रचनाओं पर प्रकाश डालिए ?

13. (क) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए

(6X1 =6)

(क) आज की शिक्षा नीति

(ख) पर्यावरण और प्रदूषण

(ग) भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या

(1 x 6 = 6)

13. (ख) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(1X12 =12)

भारत में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल न सिर्फ खेतों में, बल्कि खेतों से बाहर मंडियों में भी होने लगेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिए सही नहीं है। लेकिन जिस रफ्तार से देश की आबादी बढ़ रही है, उसके अनुरूप फसलों की अधिक पैदावार जरूरी है। समस्या सिर्फ रासायनिक खादों के प्रयोग का ही नहीं है। देश के ज्यादातर किसान परंपरागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं। दो दशक पहले एक हर किसान के यहाँ गाय, बैल और भैंस खूंटों से बंधे मिलते थे।

1. परंपरागत कृषि किसे कहते हैं ?

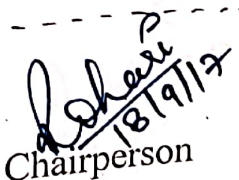
2. हरितक्रांति के उद्देश्य को दिशाहीन बनाने वाला कार्य क्या है।

3. बढ़ती जनसंख्या से रासायनिक खादों का क्या संबंध है।

4. 'मवेशी' शब्द से आप क्या समझते हैं ?

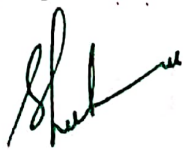
5. इस गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है।

6. ?


Chairperson

Board of Studies

Dr. Rajani Dhari


Member

Dr. Heela MISRA

Former President (O.U.)
Professor of Hindi
Prof. Sheela Mishra
Osmania University, Hyderabad-500 007

ALUMNI

Lecturer, V.V. College

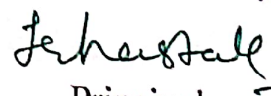
Dr. Sushama Dwivedi

O.U. Nominee

BOS & Head

Prof. Shubhada Vanjape


SHUBHADA VANJAPE
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.


Principal

PRINCIPAL

HINDI MAHAVIDYALAYA
NALLAKUNTA, HYD-44

Principal
Smt. Yashwanthi
HINDI MAHAVIDYALAYA
NALLAKUNTA, HYD-44
(Autonomous)

HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad - 44

2017-18

Department of Hindi

B.A. II Year Semester-III

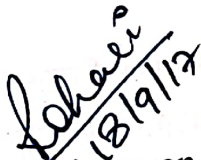
Subject : Modern Language Hindi

Paper III

(मध्ययुगीन काव्य एवं आलोचना)

छात्रों में नैतिक मूल्यों के विकास हेतु।

पद्य पाठ्यपुस्तक	:	मध्ययुगीन काव्य
संपादक	:	डॉ. ब्रजनारायण सिंह
प्रकाशक	:	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
पाठ का नाम	:	लेखक का नाम
Unit-I		
1. 'साखी के दोहे' (1-15)	:	कबीर
2. 'पद' (1-3)	:	कबीर
Unit-II		
3. भ्रमरगीत	:	सूरदास
Unit-III		
4. पुष्प वाटिका प्रसंग	:	तुलसीदास
Unit-IV		
आलोचना के आधार स्तम्भ	:	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. आलोचना-परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार	:	
Unit-V		
6. आलोचना-केवल रामचंद्र शुक्ल	:	

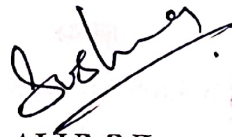

Chairperson

Board of Studies
Dr. Rajani Dhari



Member

DR. SHEELA MISHRA
Former President (O.U.)
Department of Hindi
Osmania University, Hyderabad-500 007

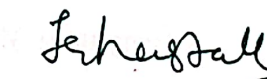

ALUMNI

Lecturer, V.V. College
Dr. Sushama Dwivedi

O.U. Nominee

BOS & Head of Dept
Prof. Shubhada Vanjape

Principal


Principal
HINDI MAHAVIDYALAYA
NALLAKUNTA
(Autonomous)

SHUBHADA VANJAPE
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.

HINDI MAHAVIDYALAYA
(Autonomous & NAAC -Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad - 44

2017-18

Department of Hindi

B.A. II Year Semester III

Subject & Paper No. : Modern Language Hindi-III

Time : 3 Hours

Model Question Paper

Maximum Marks : 80

I . निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिये :-

(10X2 =20)

1. कबीर समाज सुधारक कवि है सिद्ध कीजिए।
2. कबीर का जीवन परिचय लिखिए।
3. सूरदास को वात्सल्य रस का सम्राट क्यों कहा जाता है।
4. सूरदास की भक्ति भावना को स्पष्ट कीजिए।
5. तुलसीदास की समन्वयवादी दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।
6. रामचरित मानस में कितने काण्ड हैं लिखिए।
7. भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य क्या है? लिखिए।
8. पुष्प वाटिका प्रसंग में किसका वर्णन है।
9. तुलसी की भक्ति भावना को स्पष्ट कीजिए।
10. आलोचना की परिभाषा लिखिए।

(खंड- 'क')

II . निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :-

(5X12 =60)

11. (क) सूरदास के बाल वर्णन का सविस्तार सोदाहरण वर्णन कीजिए।

अथवा

(ख) तुलसी ने राम चरितमानस में आदर्श व्यक्तित्व को स्थापित किया है स्पष्ट कीजिए।

12. (क) सूरदास ने भ्रमरगीत में किन तथ्यों को स्थापित करने का प्रयास किया है उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(ख) कबीर की रहस्यवादी भावना का विस्तार से वर्णन कीजिए।

13. 'पुष्प वाटिका प्रसंग' में तुलसीदास काव्य शैली पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आलोचना को परिभाषित करते हुए इसके स्वरूप एवं प्रकार को विस्तार से समझाइए?

14. निम्नलिखित में किसी दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(क) लता भवन ते पकट भे, तेहि अवसर दोउ भाइ।

निकसे जनु-जुग विमल बिधु, जलद पटल बिलगाइ।

अथवा

सब घटि मेरा सांइयां सूनो सेज न कोई,

भाग तिनहु का हे सखी जिहि घटि परगट होई।

(ख) हम घर जारा आपना लिए मुराड़ा हाथ।

अब घर जारौ तास का सो चलै हमारै साथ।

अथवा

सुनहु गोपी हरि को संदेस

करि समाधि अन्तरगत ध्यावहु यह उनको उपदेश

(ग) रहु रे मधुकर, मधुमतवारे

कहा करौ निर्गुन लैके हौं जीवहु कान्ह हमारे।

अथवा

जैसे मायामन रमै यों जो राम रमाइ।

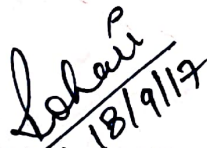
तौ तारामंडल बेधि के सो अमरापुर जाइ।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं दो कवियों का साहित्य का परिचय देते हुए उसकी विशेषता लिखिए।

(1) कबीर

(2) सूर

(3) तुलसी


18/9/17
Chairperson

Board of Studies

Dr. Rajani Dhari



Member

Dr. Sushama Dwivedi (O.U.)
Former President & Head
Department of Hindi
Osmania University, Hyderabad-500 007

ALUMNI

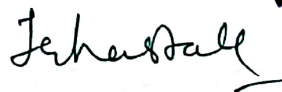
Lecturer, V.V. College

Dr. Sushama Dwivedi

O.U. Nominee

BOS & Head of

Prof. Shubhada Vanjape



Principal

Smt Jyoti Hastak

Hindi Mahavidyalaya

PRINCIPAL

HINDI MAHAVIDYALAYA

Attn, Commerce & Science

(Autonomous)

NALLAKURTA, HYD-44

SHUBHADA VANJAPE
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.

HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad - 44

2017-18

Department of Hindi

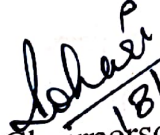
B.A. II Year Semester-IV Paper IV

Subject : Modern Language Hindi

(मध्ययुगीन काव्य, शब्द शक्ति एवं अनुवाद)

छात्रों में व्याकरण तथा अनुवाद कौशल विकसित करना।

पद्य पाठ्य पुस्तक	:	मध्ययुगीन काव्य
संपादक	:	डॉ. ब्रजनारायण सिंह
प्रकाशक	:	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
पाठ का नाम	:	कवि का नाम
Unit-I		
1. दोहे (1-15)	:	बिहारी
Unit-II		
2. पद (1-5)	:	भूषण
Unit-III		
3. पद (1-6)	:	घनानंद
Unit-IV		
4. शब्द शक्ति		
(1) अभिधा		
(2) लक्षणा		
(3) व्यंजना		
Unit-V		
अनुवाद : सैद्धांतिक पक्ष		
(1) अंग्रेजी से हिन्दी		
(2) हिन्दी से अंग्रेजी		


18/9/17
Chairperson

Board of Studies
Dr. Rajani Dhari


Member

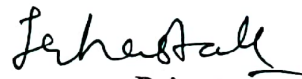
Dr. SHEELA MEHRA
Former President
Professor & Head
Department of Hindi
Osmania University, Hyderabad-500 007

ALUMNI

Lecturer, V.V. College
Dr. Sushama Dwivedi

O.U. Nominee

BOS & Head of Department
Prof. Shubhada Vanjape
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.


Principal

Smt Jyoti Hastak

Hindi Mahavidyalaya
PRINCIPAL
HINDI MAHAVIDYALAYA
Arts, Commerce & Science
(Autonomous)

HINDI MAHAVIDYALAYA
(Autonomous & NAAC - Reaccredited)
Nallakunta, Hyderabad - 44
2017-18
Department of Hindi
B.A. II Year Semester-IV
Subject & Paper IV : Modern Language Hindi

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 80

I . निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिये :-

(10X2 =20)

1. रीति काल के नामकरण पर प्रकाश डालिए।
2. रीतिकाल के विभाजन को समझाइए।
3. रीतिकाल को शृंगारकाल कहना अधिक उपयुक्त क्यों है?
4. रीतिबद्ध कवियों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
5. बिहारी रीति सिद्ध कवि है स्पष्ट कीजिए।
6. रीतिमुक्त काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।
7. बिहारी के शृंगार वर्णन की दो विशेषताएँ लिखिए।
8. घनानंद का आनंदघन नाम किन विद्वानों ने स्वीकार किया है?
9. घनानंद के प्रेम संबंधी दृष्टिकोण बताइए।
10. भूषण का जीवन परिचय लिखिए।

(खंड-'क')

II . निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :-

(2X6 =12)

11. (क) बिहारी रीति काल के प्रतिनिधि कवि हैं सोदाहरण समझाइए।

अथवा

बिहारी के शृंगार वर्णन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

12. (ख) भूषण कवि के काव्य सौंदर्य को विस्तार से समझाइए।

अथवा

घनानंद की काव्यगत विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

13. निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए

(2X6 =12)

(क) या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई।

ज्यौ-ज्यौ बूड़ै स्याम रंग त्यौ-त्यौ उज्जलु होई।

अथवा

रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यों-ज्यों निहारिये।

त्यौं इन ओखिन वानि अनोखी, अघानि, कहँ नाहिं आनिनिहारिपो।

(ख) लाजनि लपेटी चितवनि भेदभाय भरी
लसति ललित लोल चख तिरध्वनि मैं।
छवि को सदन गोरो बदन, रुचिर भाल,
इस निचुरत मीठी मृदु मुस्वयानि मैं।

अथवा

सवन के उपर ही ढाढो रहिवे के जोग,
ताहिखरो कियो छ-हजारिन के नियरे।
जानि गैर मिसिल गुसीले गुसा धारिउर,
कीन्हों न सलाम न बचन बोले सियरे।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो कवियों का साहित्य का परिचय देते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए। (2X6=12)

- (1) बिहारी (2) भूषण (3) घनानंद

I. (क) शब्द शक्ति की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

(2X6=12)

अथवा

अनुवाद को परिभाषित करते हुए उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(3X2=6)

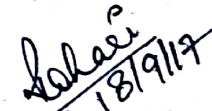
(ख) निम्न लिखित वाक्यों में तीन का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

- (1) महात्मा गांधी हमारे राष्ट्रपिता हैं।
(2) भारत में विविधता में एकता की प्रधानता है।
(3) प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट कहा जाता है।
(4) नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता अभियान चलाया।
(5) बालश्रम एक अपराध है।

II. निम्नलिखित में किन्हीं तीन का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

(3X2=6)

- (1) India is our Country.
(2) Hindi is our national language.
(3) Sun rises in the east.
(4) Peacock is our National Bird.
(5) Taj Mahal is a Historical Monument.


Chairperson

Board of Studies

Dr. Rajani Dhari



Member

Dr. Sushama Dwivedi
Professor & Head
Department of Hindi
Osmania University, Hyderabad-500 007

ALUMNI

Lecturer, V.V. College

Dr. Sushama Dwivedi

O.U. Nominee

BOS & Head

Prof. Shubhada Vanjape


CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.



Principal

Smt Jyoti Hastak

Hindi Mahavidyalaya

HINDI MAHAVIDYALAYA
Arts, Commerce & Science
(Autonomous)

हिन्दी महाविद्यालय

स्वायत्त एवं राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद-प्रत्यायित

नल्लाकुंटा, हैदराबाद-44

हिन्दी विभाग के पाठ्यक्रम बोर्ड की बैठक

कार्यवृत्त

हिन्दी महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के पाठ्यक्रम बोर्ड की बैठक दिनांक 18/9/2017 को संपन्न हुई। उक्त बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे।

1. डॉ. रजनी धारी	अध्यक्ष पाठ्यक्रम बोर्ड
2. प्रो. शुभदा वांजपे	हिन्दी विभागाध्यक्ष तथा बी ओ एस चेयरमैन
3. प्रो. शीला मिश्र	सदस्य (पूर्वाध्यक्ष, हिन्दी विभाग)
4. डॉ. मोनिका देवी	सदस्य
5. डॉ. आर. सपना	सदस्य
6. श्री चंद्रप्रताप सिंह	सदस्य
7. डॉ. जयलक्ष्मी चंद्रय्या	सदस्य

बैठक में संस्थागत पाठ्यक्रम बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. रजनीधारी ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों का औपचारिक स्वागत किया, उन्होंने सभी सदस्यों को विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित एवं अनुशासित तथा उससे संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों से परिचित करवाया। डॉ. रजनीधारी ने यह सूचना भी दी कि वर्ष 2017-18 से केवल स्वायत्त महाविद्यालयों में ही नहीं वरन् सर्वत्र सेमेस्टर प्रणाली आचरण में लायी जायेगी। इस क्रम में उच्च शिक्षा परिषद तथा उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्रयत्नों से सभी संकायों के विद्यमान पाठ्यक्रम का पुनर्विचार किया गया तथा नये सुझावों के आलोक में नई पुस्तकों का निर्माण किया गया। इस भूमिका के पश्चात डॉ. रजनी धारी ने सदस्यों को द्वितीय भाषा हिन्दी प्रथम वर्ष के निमित्त विशेष रूप से प्रकाशित काव्य निधि शीर्षकीय पुस्तक का उल्लेख किया। उन्होंने सदस्यों को बताया कि यह पुस्तक विद्वान प्राध्यापकों के सम्मिलित प्रयत्नों का प्रतिफल है। डॉ. रजनी धारी ने कहा कि महाविद्यालय का हिन्दी विभाग इस प्रयत्न की प्रशंसा करता है तथा बिना किसी परिवर्तन के दोनों सेमेस्टर्स के लिए उस्मानिया विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पाठ्यक्रम बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम तथा किंचित परिवर्तन के साथ प्रश्नपत्र के प्रारूप को स्वीकार करता है।

बैठक में ऐच्छिक हिन्दी के पाठ्यक्रम पर विस्तृत चर्चा हुई। डॉ. रजनी धारी ने बताया कि संप्रति नगर में केवल हिन्दी महाविद्यालय में ऐच्छिक हिन्दी का अध्यापन हो रहा है। उन्होंने कहा कि सी.बी. सी.एस. ऐच्छिक हिन्दी पर भी लागू किया जायेगा। उन्होंने बताया कि गद्य फुलवारी, आषाढ का एक दिन (नाटक) तथा आश्रितों का विद्रोह (उपन्यास) नामक तीन पुस्तकें बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ऐच्छिक हिन्दी के अंतर्गत निर्धारित की गई

हैं तथा गत 5 वर्षों से पढाई जा रही हैं, उक्त पुस्तक-त्रय श्रेष्ठ एवं अप्रतिम हैं अतः उन्हीं को जारी रखा जायेगा। किंतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अद्यतन नियमों और प्रस्तावों को दृष्टिगत रखकर प्रश्न पत्र का प्रारूप इस वर्ष से तदनुसार निर्मित किया जायेगा।

बैठक के सभी सदस्यों ने उक्त निर्णय का सर्वसम्मति से समर्थन किया। डॉ. रजनी धारी ने बताया कि विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष दो सेमेस्टर की परीक्षाएँ लिखेंगे तथा प्रत्येक सेमेस्टर में 15 अंकों के दो इन्टरनल असेसमेंट होंगे, जिनके औसत अंक निर्णायक परीक्षा के प्राप्तांकों में जोड़े जायेंगे। उक्त के साथ-साथ विद्यार्थियों को 5 अंकों का एक असाइनमेंट (गृहकार्य) भी दिया जाएगा, जिसके अंक भी विद्यार्थियों के उक्त प्राप्तांकों में जुड़ेंगे। दोनों ही इन्टरनल असेसमेंट लिखना अनिवार्य होगा। प्रत्येक सेमेस्टर की निर्णायक परीक्षा 80 अंकों की होगी, बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक सप्ताह द्वितीय भाषा एवं ऐच्छिक हिन्दी की अब से पाँच-पाँच कक्षाएँ होंगी तथा दोनों के 5-5 क्रेडिट्स रहेंगे। कम से कम 60 कक्षाओं में प्रत्येक विषय का पाठ्यक्रम पूर्ण किया जायेगा। बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा असेसमेंट के लिए प्रस्तावित प्रश्न पत्र के प्रारूप को भी बिना किसी परिवर्तन के स्वीकार किया गया।

बैठक के अंत में श्री चंद्र प्रताप सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।


Chairperson

Board of Studies

Dr. Rajani Dhari



Member

Former President (O.U.)

Prof. Sheela Mishra

Dr. SHEELA MISRA

Professor & Head

Department of Hindi

Osmania University, Hyderabad-500 007



ALUMNI

Lecturer, V.V. College

Dr. Sushama Dwivedi

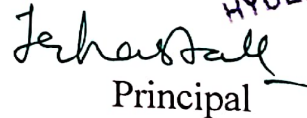


O.U. Nominee

BOS & Head

Prof. Shubhada

Prof. SHUBHADA VANJAPÉ
CHAIRPERSON
BOARD OF STUDIES
DEPARTMENT OF HINDI
OSMANIA UNIVERSITY
HYDERABAD-500 007.


Principal

Smt Jyoti Hastak

Hindi Mahavidyalaya

PRINCIPAL

HINDI MAHAVIDYALAYA

Arts, Commerce & Science

(Autonomous)

NALLAKUNTA, HYD-44